श्री सादडी (राणकपुर) जैन संघ, पुणे

For Private Circulation only | June 2024 | Issue No. 01

सादडी री वात

सुभाष परमार

"सादडी री वात" इसी शीर्षक से लिखी प्रथम प्रस्तृती श्री सादडी राणकपुर जैन संघ के प्रथम सम्मेलन (1989) निमित्त करने के पैंतीस वर्षोके पश्चात आज इसी शीर्षक का सादडी व सादडी वासियोंको समर्पित संघ समाचार पत्र "सादडी री वात" आपके सम्मुख रखते हुए मैं अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।

पुणे स्थित प्रवासी सादडीवासियों की विस्तृत जानकारी इकट्ठा करने का परिश्रमयुक्त कार्य कर्मठ कार्यकर्ता श्री. हस्तीमलजी परमार द्वारा किया गया और इसके फलस्वरूप बनी श्रीसंघ की प्रथम निदेशिका के विमोचन निमित्त श्री संघ का प्रथम सम्मेलन अग्रणी कार्यकर्ता श्री मोहनलालजी नाहर के नेतृत्व में दिनांक 29.04.1989 को तिलक स्मारक मंदिर पुणे में हुआ।

बदलती परिस्थितीयों में सादडीवासियों के नयी पीढीका संपर्क, स्नेह मिलन, भाईचारा वृद्धी, सामाजिक कार्य, विचारों का आदान प्रदान, व्यवसाय-हुनर व कला विकास आदि विषयों से समूचे परिवार सदस्यों के जुडने से इस महत्वपूर्ण मेल मिलाप की हुई शुरुवात, आज पैंतीस वर्षोसे लगातार जारी है, यह अपने आपमें विशेष है और अन्य गांवो में हो रहे सम्मेलनो का प्रेरणास्तोत्र बना है।

स्नेह मिलन के साथ-साथ सदस्य परिवारोंके आत्मजनों के विकास व मार्गदर्शन हेतू सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक, शारीरिक व अन्य कार्यक्रमों का आयोजन समय अनुसार हो रहा है। विशेषकर विविध गुण दर्शन, कला प्रदर्शनी, विचारमंच, खेलकूद प्रतियोगीताएँ, आरोग्य चिकित्सा, सन्मान व बहुमान, व्यावसायिक प्रदर्शनी, चर्चासत्र जैसे अलग अलग माध्यमों द्वारा सादडी की नयी पिढी के नवयुवक व युवतियाँ अपनी बहुविध प्रतिभाका परिचय दे रहे है।

अनेक रचनात्मक उद्देश्यों को पूर्ण करने हेतू निमित्त इस सामाजिक मंच की बागडोर मुझे सौंपने पर आप श्री सभी को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ।

शेष शुभम्..!!

अध्यक्षीय मनोगत

कल कल नाद करती हुई मघई नदी, अरावली की पहाडीया, हरी भरी झाडीयों से घिरा शांत परिसर ऐसे एकांत में जंगल से घीरा, विशाल गगनचुंबी जिन मंदिर "राणकपुर" जैसे अतुलनीय मंदीर की तलहटी में बसी सुंदर नगरी "सादडी" के हम निवासी है। यह गौरव एवं अभिमान की बात है।

पुणे के सादडी सम्मेलन की शुरुवात बडे अनुशासन के साथ हुयी और इसका श्रेय जाता है प्रथम अध्यक्ष श्री मोहनलालजी नाहर, सचिव श्री सुभाषजी परमार एवं अन्य कई कार्यकर्ताओं की जो निस्वार्थ भाव से अपनी मातृभूमी के गौरव में गर्वसे काम को लग गये।

पुणे के सादडी सम्मेलन से गोडवाड में एक हलचल सी हो गयी। अपने संघ की गौरवशाली परंपरा को सैकडो कार्यकर्ताओंने अपने अथक परिश्रम से आगे बढाया है। बदलते नेतृत्व ने अपने विचारों से इस यात्रा को आगे अपने गंतव्य स्थान पर ले जाने के लिये बहोत परिश्रम किये है एवं कर रहे है।

सादडी गांव से कई स्वातंत्र्य सेनानी, राजकारणी, डॉक्टर, इंजिनियर, लॉयर, चार्टर्ड अकाऊटंट, कवी, लेखक निकले है। जिन्होंने अपने एवं अपने गांव की शोहरत में चार चांद लगाये है। सादडी से जो प्रवासी बंधु कामकाज की तलाश में निकले वह पूरे विश्वभर में कार्यरत है,

संपादक

सादडी री बात

व देश-विदेश में अपना नाम कमाया है।

स्नेह सम्मेलन में विशेष उपलब्धी प्राप्त सादडीवासीयों को अतिथी के रुप में लाने की परंपरा रही है। जिसके फलस्वरुप अनेको गुणी व्यक्तियों को हम बुला सके, उनके विचारो से हमारे श्रीसंघ की नीव और मजबुत हुई है।

युवा, युवतियों में मैत्रीपूर्ण संवाद इस स्पर्धाओं की विशेष उपलब्धी बन गयी है। विशेष उल्लेखनीय बात है कि श्रीसंघ की सभी गतिविधीयों मे महिलाओं का, युवतीयों का सहभाग दिन ब दिन बढ रहा है।

पुणे में हो रहा निरंतर सम्मेलन एक उत्सव ही है। जिसे सफल बनाने के लिये सैकडो कार्यकर्ता दिन-रात मेहनत करते है।

श्रीसंघ के रंगमंच पर मै सादडी, कारगिलनामा, सृष्टि, स्त्री शक्ति, भूकंप, उडान, पानी.... जैसे कई सृजनात्मक नाटक प्रस्तुत किये गये। कारगील युद्ध के तुरंत बाद किये गये ''कारगीलनामा'' नाटक से उत्स्फूर्तता से सम्मेलन मे ही सादडीवासीयोंने दिये हुये सहयोग से हम रू. 5 लाख की राशी ''सैनिक सहायता'' निधि में दे पाये। यह विशेष उपलब्धी रही है।

इस वार्तापत्र में श्रीसंघ ने सिद्ध किये हुये कार्यो का विवरण आता रहेगा। साथ ही श्रीसंघ से जो अपेक्षाएं एवं रचनात्मक सुझाव आयेंगे उन्हें भी हम आवाज देंगे। बीते सम्मेलनों की रोचक जानकारी, कार्यक्रम, फोटोज् आदि जरुर भेजे। समयानुसार प्रकाशित करेंगे।

अपने संघ की एकता ही हमारी बडी ताकत है। अपने बहुरंगी संगठन में बहुविद प्रतिभाशाली व्यक्तियों के हुनर का सागर भरा है। संघ में अनेक सृजनशील एवं कर्मठ कार्यकर्ता है, इन्ही के बलपर संघ आनेवाले वर्षो में अधिक उंचाईयों को छुएगा इसमें कोई संदेह नही।

आज रास्ता बना लिया है..
तो कल मंजिल भी मिल जायेगी..
हौसलों से भरी है यह कोशिश...
एक दिन जरुर रंग लायेगी..।

मंगल शुभकामनाओं के साथ

प्रवीण राठोड   सुभाष परमार

संपादक

स्नेह सम्मेलन : प्रारंभ से आजतक

सन	अध्यक्ष	सचीव
1989	श्री मोहनलालजी नाहर	श्री सुभाषजी परमार
90-91	श्री राजमलजी पुनमिया	श्री प्रविणजी सोलंकी
92-93	श्री नगराजजी रांका	श्री विमलजी सुराणा
94-95	श्री गुलाबचंदजी पोरवाल	श्री भरतजी परमार
96-97	श्री घिसुलालजी सोलंकी	श्री प्रविणजी राठोड
98-99	श्री विजयराजजी रांका	श्री नितीनजी पुनमिया
00-01	श्री देवराजजी राठोड	श्री दिनेशजी पुनमिया
02-03	श्री फतेहचंदजी पुनमिया	श्री फत्तेचंदजी रांका
04-05	श्री चांदमलजी परमार	श्री अमृतजी सोलंकी
06-07	श्री मोहनलालजी राठोड	श्री सुभाषजी चंडालिया
08-09	श्री पोपटलालजी सोलंकी	श्री संजयजी राठोड
10-11	श्री पुखराजजी रांका	श्री विपुलजी पुनमिया
12-13	श्री शांतीलालजी परमार	श्री शांतीलालजी बलदोटा
14-15	श्री पुष्पराजजी कावेडिया	श्री रमेशजी परमार
16-17	श्री जवेरचंदजी बाफना	श्री राजेन्द्रजी सोलंकी
18-19	श्री निर्मलजी परमार	श्री हेमंतजी परमार
20-21	श्री अमृतलालजी सोलंकी	श्री अनिकजी जैन
22-23	श्री अमृतलालजी सोलंकी	श्री अनिकजी जैन
24-25	श्री सुभाषजी परमार	श्री अमितजी मुथा

श्री सादडी राणकपुर जैन संघ स्पोर्टर्स कार्निवल 2024 :
चार हाऊसेस के प्रायोजको के साथ कार्यकारी मंडल
वायुसेना : वेगा हाऊसवेअर
जलसेना : श्री वल्लभ इनवेस्टमेन्टस्
पृथ्वीसेना : जयहिंद कलेक्शन्स
अग्निसेना : रांका ज्वेलर्स

झलकियाँ

सादडी री वात

२०२३-२०२५

आखरिया बाजार

खेल कूद

Financial Management - Seminar

श्री सादडी राणकपुर जैन संघ, पुणे

कागज से डिजीटल... पर्यावरण के ओर कदम...

श्रीसंघ के कार्यकाल में अनेको सरक्युलर भेजे जाते थे। खेलकूद, विविध गुण दर्शन व अन्य कार्यक्रमों मे सहभाग लेनेवालो से फॉर्म भरकर लेते थे। श्री संघ की निमंत्रण पत्रिका भेजी जाती थी। इसमें हजारो कागज का इस्तेमाल होता था। फिर पोस्ट या कुरीयर का खर्च होता था। इसमें पर्यावरण की बडी हानि होती थी और श्रीसंघ के हजारो रुपये खर्च होते थे।

खुशी की बात है कि गत कुछ वर्षो से यह सब कम करके केवल मोबाईल के माध्यम से जानकारी भेजी जाती है एवं फॉर्म भी भरकर लिये जाते है। पहले 600 परिवारों को पत्र जाते थे अब ईमेल एवं मोबाईल के माध्यम से लगभग 1500 से अधिक व्यक्तियों को समाज की गतिविधिया अवगत करायी जाती है।

फलस्वरुप हम हर परिवार में दो से अधिक सदस्यों तक पहुंच पाते है।

इस माध्यम से हम आप सभी को आवाहन करते है कि आपके परिवार के और भी सदस्यगणों के Whatsapp नंबर श्री संघ के सचिव श्री अमितजी मुथा या सहसचिव श्री दिनेशजी भंडारी को भेजे। (email : ssrjsp@gmail.com) ताकि श्रीसंघ की वार्ता आपके परिवार के हर सदस्य तक पहुंचे।

श्री सादडी राणकपुर जैन संघ पुणे द्वारा श्री आत्म वल्लभ जैन सेवा मंडल मुंबई के सतरंग कार्यक्रम में प्रस्तुत पक्षाल लोढ़ा द्वारा लिखित व दिग्दर्शित नाटिका ''शंत्रुजय : एक शौर्य गाथा'' के कलाकार

आगामी दिशानिर्देश

- ✻ स्वस्थ, बलशाली व बुद्धिशाली समाज निमार्ण में मार्गदर्शन, संगठन व संवर्धन कार्य।
- ✻ सदस्यगणों के नेतृत्व व व्यक्तिगत विकासकार्य हेतू कार्यक्रमों का आयोजन।
- ✻ खेलकूद कार्यो का प्रशिक्षण, संवर्धन, स्पर्धाओं का आयोजन।
- ✻ आरोग्य चिकित्सा व रोगमुक्त जीवनशैली के संबंध में मार्गदर्शन व संगोष्ठी आयोजन।
- ✻ पारिवारिक सुविधाये, सुरक्षा पद्धती व योजनाओं के बारे में मार्गदर्शन।
- ✻ खुली अर्थव्यवस्था व विश्वरुपी उद्योग, व्यापार से बदलती परिस्थितियों की जानकारी।
- ✻ आजके जीवन से संबंधित इंटरनेट से होनेवाले नुकसान के बारे में सायबर सिक्युरिटी विशेषज्ञों से मार्गदर्शन।
- ✻ ज्येष्ठ नागरिकों के लिये सुविधा, इन्शुरन्स, मेडिक्लेम आदि विविध पॉलिसीज्, सरकारी एवं निमसरकारी योजनाओं संबंधित विषयों की जानकारी।
- ✻ परिवार निर्देशिका मे समयानुसार परिवर्तन पद्धती

विचार मंच - सुझाव

सन 1997 में श्रीसंघ ने विचार मंच का गठन किया।

उद्देश्य था.... समाज की अपेक्षाएं व उपेक्षाओं कोआवाज दे।

इस प्रयत्नों से काफी मौलीक विचार समाज के सामने आये जो हमारे श्रीसंघ की प्रगती में मिल के पत्थर बने। कुछ अंतराल बाद यह महत्वपूर्ण विषय सम्मेलन की धामधूम और एक दिवसीय सम्मेलन में समय के अभाव के कारण दुर्लक्षित रहा।

''सादडी री वात'' के माध्यम से हम इसे फिरसे नये रुप में आपके सामने लेकर आ रहे है।

''सादडी री वात'' के आगे के संस्करणों में आपके समाज उपयोगी सुझाव, बदलाव जरुर पहुंचाये जिन्हें आवाज देंगे। आपके विचारों का हार्दिक स्वागत है।

email: ssrjsp@gmail.com के माध्यमसे (सभी सुझाव व विचार का प्रक्षेपण का अधिकार संपादक के अधीन)

नवयुवको के कौशल्य और तंत्रज्ञान पर आधारित व्यवसाय के गुणों को प्रोत्साहन देने हेतू आयोजित ''सादडी आखरिया बाजार 2024'' की एक झलक

सादडी : विशेषताएँ व उपलब्धियाँ

सादडी संघ की स्थापना होकर 36 वर्ष का समय हो गया है। मूलत: हमारा प्रवासी समाज व्यापार में रहा, धीरे-धीरे देश की प्रगती के साथ व नयी पीढी के शैक्षणिक उपलब्धीयों के कारण हमारा समाज आधुनिकता की ओर बढा। देश के कानुन एवं नीतीयों के बदलाव के साथ हमारी सोच भी बदलती रही। हमारी अगली पिढी शैक्षणिक क्षेत्र में ऊंचाईयों पर आगे बढी है।

हमें शायद पता ही नही की हमारे समाज में कई उच्च विद्या विभूषित युवा - युवतियाँ है। हमारे बेटे, बेटियाँ, बहुअे अलग-अलग क्षेत्रमें आगे बढकर मानबिंदू हासिल कर चुके है।

सादडी संघ के प्रतिभावान व्यािक्तयों को हम एक प्लेटफॉर्म देने का प्रयत्न कर रहे है। सर्वप्रथम इसकी जानकारी इकठ्ठा करने का प्रयास करने की आकांक्षा है। आगे इन का हमारे समाज के उत्थान के लिये उपयोग हो, यह प्रयत्न रहेगा। आप सभी स्वजनों से सादर आग्रह है कि आपके परिवार में जो भी ऐसे प्रतिभावान व्यक्ति है उनकी जानकारी हम तक पहुंचाये email: ssrjsp@gmail.com

झलकियाँ

१९८९-२०२३

श्रीसंघ के प्रथम सम्मेलन को संबोधित करते श्री मोहनलालजी नाहर

सचिव वृतांत प्रस्तुत करते श्री सुभाषजी परमार

श्री संघ की प्रथम निर्देशिका अनावरण करते हुए श्री राजमलजी पुनमिया

अतिथी श्री नगराजजी पुनमिया द्वारा श्री चांदमलजी परमार का बहुमान

अतिथी श्री कालुरामजी को मानपत्र अर्पण करते हुए श्री घिसुलालजी सोलंकी

सचिव श्री प्रविणजी सोलंकी से विचार विमर्श करते हुए श्री प्रविणजी राठोड

स्नेह सम्मेलन में अल्पाहार का आनंद लेते हुए सदस्यगण

स्वागत गीत प्रस्तुत करते हुए संपतजी परमार, शोभाजी राठोड, नितीनजी पुनमिया, महेन्द्रजी सुराणा व अन्य

नरेन्द्रजी सोलंकी द्वारा कार्यक्रम संबंधित चर्चा एवं नियोजन

कला प्रर्दशनी की एक झलक

उपस्थित श्रोतावृंद

नन्हें मुन्हे कलाकारों की प्रस्तुती

सादडी री वात

झलकियाँ

१९८९–२०२३

श्री प्रभु माल्यार्पण द्वारा
स्नेह सम्मेलन का शुभारंभ

जोशिले - सुरीले स्वागत गीत की
मांगलिक प्रस्तुती

खेलकूद दिवस पर भरकस सहभाग

खेलकूद दिवस : खुशीयों भरी शुरुवात

खेलकूद दिवस के उपलक्ष में
प्रभात फेरी

अमृतजी सोलंकी, निर्मलजी परमार
समिती सदस्यों से विचार विमर्श करते हुये

खेलकूद प्रतियोगिता में जोशीला सहभाग

खेलकूद : तेज भागदौड प्रतियोगिता

खेलकूद प्रतियोगिता में
सामुहिक गतिविधियाँ

छोटे बच्चे मन के सच्चे

पर्वती हिल खेलकूद प्रतियोगिता

खेलकूद : सायकल स्वारी का आनंद

PARMAR

MAMATA ROOFINGS

TIMBER AGENCY | **MOTILAL SHESHMAL& CO** | **POLYLIGHT TRADING CO**

289, Timber Market Area, Pune - 411042. India
Ph.: 020 26453971, 26454971 M : 9325905074
Email: mamataroofing@gmail.com / msheshmalco@gmail.com, Web.: www.mamataroofings.com

TPPLLite Polycarbonate Multiwall Sheet	EVERWOOD WPVC Interior & Exterior Planks	KY Polyca Polycarbonate Solid Roll & Sheets	MAMATA FRP SHEETS	SKYLITE Roof Turbo Ventilatior Polycarbonate Base Plate	Silicon Sealant	SKYLINES Bitumen Roofing Sheets	Themocool Aluminum Insulated Roofing Sheet
Stone Coated Spanish Roofing Tile	PONDFIX SELF-ADHESIVE SEALING TAPE	Aluminium Insulated Bubble Roll	UPVC Roofing Sheets & Tiles	meTecno Metecno Sandwich Panel Sheets	JSW Steel Galvalume Colour Coated Roofing Sheet	EVEREST Complete Building Solution	PALRAM Polycarbonate Sheets
TILARA Acrylic Sheets	Aqua Star uPVC Rain Harvesting System	LOTUS Polycarbonate Sheet PVC Greca Roofing Sheet	HINDALCO Aluminium Trough Sheet	SWASTIK Roofing Sheets EcoPro Board	RX Self Trapping Screws	balco Aluminium Roofing Sheets	TATA SHAKTEE G.C. Roofing Sheets

HOUSE OF ROOFING SHEETS

श्री सादडी राणकपुर जैन संघ, पुणे - कार्यकारिणी

अध्यक्ष
सुभाष परमार

उपाध्यक्ष
विजय कावेडीया

सचिव
अमित मुथा

कोषाध्यक्ष
कुमारपाल सोलंकी

सहसचिव
दिनेश भंडारी

विक्रम नाहर

किशोर मेहता

अनिक शाह

भरत राठोड

खुशपाल पोरवाल

धीरज परमार

धीरेश सोलंकी

जयेश संकलेचा

ललित पुनमिया

अक्षय बाफना